safbin
For Small Farmers Future

वर्षा आधारित क्षेत्र में अनुकूलित खेती पर प्रयोग

केंचुआ खाद

केंचुआ खाद का प्रयोग करने से फसल की रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है, तथा कम लागत मे पौधों को अधिक पोषक तत्व मिलते है यह मिट्टी कि नमी को भी बढ़ाता हैं।

बनाने की विधी

जैविक अवशेष/पाला पत्ती को 15 दिन पुराने गोबर के साथ 3:1 के अनुपात मे मिलाकर केंचुओं के लिए बेड तैयार करें। इस हेतु पहले 4–10 इंच आधा सड़ा कचरा, रसोई का अवशेष मिलाकर ऊपर से गोबर का घोल डाले और यह प्रक्रिया बेड भरने तक जारी रखें। 3 से 4 दिन के बाद बेड को पानी से भीगो कर केंचुओं को सावधानी से बेड मे छोड़ दें। बेड में नमी बनाये रखने के लिए सुबह शाम पानी की बौछार करते रहें और 2–3 दिन में जब खाद बनने लगे तो ऊपर से उसमें जैविक अवशेष/पाला पत्ती डालते रहें या 30–40 दिन बाद इसको खेत मे डालने के लिए टैंक को सावधानी पूर्वक खाली करें जिससे केंचुओं को नुकसान न हो। धूप/वर्षा से बचाने के लिए छाँव की व्यवस्था करें।

उपयोग

प्रति एकड़ एक ट्राली या 15 क्विंटल के हिसाब से केंचुआ खाद डालना है

पक्का टैंक
(घास–फूस,भूसी–भूसा,पैरा)

गोबर
(15 दिन पुराना)

खेत की मिट्टी

केंचुआ
(3–5 किलो)

जैविक अवशेष
(घास–फूस,भूसी–भूसा,पैरा)

Co-Financed by
European Union
Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by
Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners
AFPRO
Action For Food Production

CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org

© Caritas India@2015